

मैं जगदति दे लड़ लगी आ

मैं जगदति दे लड़ लगी आ मेरे तो गम भरे रेहून्दे,
मैं जगदति दे लड़ लगी आ,
मेरी आसा उमीदा दे सदा भुटे हरे रेहून्दे,

कदे भी लोड नहीं पेंदी मैनु दर दर तो मंगने दी,
मैं तेरे दरबार दी मंगति आ मेरे पल्ले भरे रेहून्दे,
मैं जगदति दे लड़ लगी आ.....

दवारे लखा दुनिया ते तेरे दरबार है सोना,
जेहड़े तेरे दर दे हो जांदे,
ओ ज़िंदगी विच खरे रेहून्दे,
मैं जगदति दे लड़ लगी आ.....

यहाँ विच होर ना कोई मेरा,
मैनु बस तेरा सहारा है,
जेहड़े तेरे दर ते झुक जांदे,
ओ दुबड़े ना तरे रेहून्दे,
मैं जगदति दे लड़ लगी आ.....

दुआवा रल करो सखियों मेरी किते माई ना रूस जावे,
जिह्ना दी माँ है रूस जांदी,ओ जूनदे जी मरे रेहून्दे,

में जगदति दे लड़ लगी आ.....

Source:

<https://www.bharattemples.com/main-jagdati-de-lad-lagi-aa-mere-to-gm-bhare-rehnde/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>